

डॉ. डैनियल के. डार्को, लूका रचित सुसमाचार, सत्र 10, यीशु और पापी स्त्री, लूका 7:36-50

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैन डार्को द्वारा लूका के सुसमाचार पर दिए गए अपने व्याख्यान हैं। यह सत्र 10 है, यीशु और पापी स्त्री, लूका 7:36-50।

लूका के सुसमाचार पर हमारी बाइबिल ई-लर्निंग व्याख्यान श्रृंखला में आपका स्वागत है।

आपके साथ लूका के सुसमाचार के माध्यम से चलना और चर्चा से उभरने वाली कुछ प्रमुख बातों के बारे में सोचना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। जैसा कि आपने व्याख्यान 9 के अंत में देखा होगा, हम उस जगह से आगे बढ़ रहे थे जहाँ जॉन बैपटिस्ट ने अपने शिष्यों को यह पूछने के लिए भेजा था कि क्या यीशु ही वह व्यक्ति है या उन्हें किसी और की उम्मीद करनी चाहिए, और यीशु ने शिष्यों को जॉन के पास वापस भेजा ताकि जॉन को समझाया जा सके कि उन्हें बस देखना चाहिए, उन्हें जो कुछ उन्होंने देखा है और जो उन्होंने सुना है, उसके बारे में उसे बताना चाहिए। इसका तात्पर्य यह है कि उन्होंने चमत्कारी कार्यों के संदर्भ में जो देखा है और जो उन्होंने सुसमाचार के संदेश के संदर्भ में सुना है, उन्हें यह पहचानने में संतुष्ट होना चाहिए कि, वास्तव में, वह मसीहा है जो आया है।

जैसे-जैसे हम इस व्याख्यान से आगे बढ़ेंगे, आप देखेंगे कि यीशु की पहचान का मुद्दा बार-बार उभरेगा। इसलिए, व्याख्यान 9 में हमने जहाँ छोड़ा था, वहाँ से व्याख्यान 10 तक आसानी से आगे बढ़ने के लिए, मैं व्याख्यान 9 से पढ़ा गया आखिरी अंश पढ़ता हूँ, जिस पर मैंने बिल्कुल भी समय नहीं लगाया, लेकिन मैं आपको बस यह बताना चाहता हूँ कि हम कहां जा रहे हैं। इसलिए, मैंने अध्याय 7 के श्लोक 29 से श्लोक 35 तक पढ़ा।

तो फिर मैं इस पीढ़ी के लोगों की तुलना किससे करूँ? वे किससे मिलते-जुलते हैं? वे उन बच्चों के समान हैं जो बाज़ार में बैठे हुए एक-दूसरे को पुकार रहे हैं। हमने तुम्हारे लिए बाँसुरी बजाई, और तुम नहीं नाचे। हमने शोकगीत गाया, और तुम नहीं रोए।

क्योंकि यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आया है, न रोटी खाता है, न दाखरस पीता है, और तुम कहते हो, उसमें दुष्टात्मा है। मनुष्य का पुत्र आया है, खाता-पीता है, और तुम कहते हो, उसे देखो, वह पेटू और पियक्कड़ है, चुंगी लेनेवालों और पापियों का मित्र है, फिर भी उसकी सभी संतानों द्वारा बुद्धि को उचित ठहराया जाता है। यीशु ने पहचान की खोज पर प्रवचन का अनुसरण किया जिसे यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के शिष्यों या अनुयायियों ने आगे रखा था।

लेकिन उन्होंने पूरी बात को उल्टा कर दिया और शास्त्रियों और फरीसियों की आलोचना करना शुरू कर दिया क्योंकि उन्होंने उन मुख्य मुद्दों को अस्वीकार कर दिया जिन्हें जानना ज़रूरी है। और उन्होंने यहाँ लूका के लेखन में उल्लेख किया, वास्तव में इस बार सिर्फ शास्त्रियों का ही नहीं,

बल्कि उन्होंने फरीसियों और वकीलों का भी उल्लेख किया जो समस्या के कारण हैं। लूका यहाँ कुछ स्थापित कर रहा है।

वह इस तथ्य को स्थापित कर रहा है कि मसीहा सुसमाचार का संदेश देने की कोशिश में आया है, सार्वजनिक स्थान पर चिह्न और चमत्कार कर रहा है, ऐसी चीजें जो देखने में बहुत स्पष्ट हैं, और ऐसी चीजें जो सुनने और समझने में बहुत स्पष्ट हैं, और फिर भी उन्होंने नहीं सुना। वह बांसुरी बजाने और बच्चों को सार्वजनिक क्षेत्र में नृत्य न करने के बारे में बात करते हुए उस वाक्यांश के साथ आगे बढ़ता है, एक बार फिर फरीसियों की आलोचना करता है। लूका के विचार में, मुद्दा अपेक्षा है।

फरीसियों ने गलत उम्मीदें लगाई हैं। यूहन्ना सही काम करने की कोशिश कर रहा था, और उनके पास उसके खिलाफ हर तरह की आलोचना थी। मनुष्य का पुत्र भी वही करने आता है जो उसे करना चाहिए, और वे कहते हैं, उसे देखो।

वह पापियों और कर वसूलने वालों के साथ खाता है। वह बहुत ज़्यादा शराब पीता है और नशे में धुत हो जाता है। गलत उम्मीदों के कारण उनके पास उसके सभी तरह के नाम और सभी तरह के चित्र हैं।

आपको याद रखना चाहिए कि मैंने इस व्याख्यान में पहले कहा था कि लूका में फरीसी हमेशा नकारात्मक चरित्र नहीं होते। लेकिन यहाँ एक ऐसा उदाहरण है जहाँ यीशु फरीसी लोगों की गलत उम्मीदों पर भड़कते हैं। जैसे-जैसे हम अगले पेरिकोप में आगे बढ़ेंगे, जहाँ मैं आज के मुख्य व्याख्यान पर ध्यान केंद्रित करूँगा, आप एक और विरोधाभास देखना शुरू करेंगे, अगर मैं इसे शब्दों में कहूँ, तो यीशु द्वारा एक फरीसी के निमंत्रण को स्वीकार करने का।

जहाँ वह खुद को बहुत से फरीसियों के साथ पाता है, अगर आप चाहें तो बारबेक्यू कर रहे हैं, और बस एक साथ समय का आनंद ले रहे हैं, और फिर भी उस दृश्य में कुछ ऐसा उभरने वाला है। इससे यीशु फरीसियों के पास वापस आ जाएगा। फिर से, लूका में फरीसी हमेशा बुरे चरित्र नहीं होते हैं, लेकिन जहाँ वे गलती करते हैं, यीशु उन्हें चुनता है और उन्हें संबोधित करता है, और लूका जल्दी से हमें यह चित्रित करता है।

मैंने जो अंश पढ़ा उसमें ल्यूक के संदर्भ का बिंदु हॉवर्ड मार्शल के उद्धरण में सबसे अच्छी तरह से समझाया गया है जिसे मैंने आपके लिए स्क्रीन पर रखा है। वह बिंदु अधिक सामान्य हो सकता है। सामान्य बात यह है कि जिस तरह कुछ बच्चों ने उन्हें सुझाए गए खेल खेलने से इनकार कर दिया, उसी तरह यहूदियों ने भी परमेश्वर की सभी पेशकशों को अस्वीकार कर दिया।

फरीसियों और शास्त्रियों के इस विशेष संदर्भ में। अब हम जल्दी से आगे बढ़ते हैं, इसलिए कृपया अपने मन में यह विचार रखें कि यीशु के पास फरीसियों और वकीलों के बारे में कहने के लिए बहुत अच्छी बातें नहीं थीं। और फिर हम श्लोक 36 पर जाते हैं, और हम देखेंगे कि यीशु और फरीसियों के साथ वहाँ क्या हुआ।

पद 36 में हम पढ़ते हैं, एक फरीसी ने उससे विनती की कि उसके साथ भोजन कर, और वह फरीसी के घर में जाकर भोजन करने बैठ गया। और देखो, उस नगर की एक पापिनी स्त्री ने जब जाना कि वह फरीसी के घर में भोजन करने बैठा है, तो वह संगमरमर के पात्र में इत्र ले आई। और उसके पीछे उसके पांवों के पास खड़ी होकर रोती हुई अपने आंसुओं से उसके पांव भिगोने लगी, और अपने सिर के बालों से पोंछकर उसके पांव चूमने लगी, और उन पर इत्र मलने लगी।

पद 39, जब उन फरीसियों ने जिन्होंने उसे बुलाया था यह देखा, तो उसने मन ही मन सोचा, “ यदि यह व्यक्ति भविष्यद्वक्ता होता तो जान लेता कि यह कौन और कैसी स्त्री है जो उसे छू रही है, क्योंकि वह पापिनी है।” यीशु ने उसको उत्तर दिया, “शमौन, जो फरीसी सेना का नाम है, मुझे तुझ से कुछ कहना है।” उसने उत्तर दिया, “हे गुरु, कह।”

एक साहूकार के दो देनदार थे; एक पर पाँच सौ दीनार और दूसरे पर पचास दीनार थे। जब वे चुका नहीं पाए, तो उसने उनका कर्ज माफ कर दिया। अब, उनमें से कौन उससे ज़्यादा प्यार करेगा? शमौन ने जवाब दिया, “मुझे लगता है, वह जिसका उसने बड़ा कर्ज माफ किया है।”

और उस ने जो यीशु था, उस से कहा, तू ने ठीक निर्णय किया है। तब उस ने उस स्त्री की ओर फिरकर शमौन से कहा, क्या तू इस स्त्री को देखता है? मैं तेरे घर में आया, और तू ने मेरे पांव धोने के लिये पानी न दिया। पर इस ने मेरे पांव आँसुओं से भिगो दिए, और अपने बालों से पोंछे।

तू ने मुझे चूमा नहीं, परन्तु जब से मैं आया हूँ, तब से वह मेरे पाँव चूमना नहीं छोड़ती। तू ने मेरे सिर पर तेल नहीं मला, परन्तु उसने मेरे पाँवों पर इत्र मला है। इसलिये मैं तुझ से कहता हूँ, कि उसके पाप जो बहुत हैं, क्षमा हुए।

क्योंकि वह बहुत प्रेम करती थी, पर जिसका थोड़ा क्षमा हुआ है, वह थोड़ा प्रेम करता है। उस ने उस से कहा, तेरे पाप क्षमा हुए। तब जो लोग उसके साथ भोजन करने बैठे थे, अर्थात् अन्य फरीसी आपस में कहने लगे, यह कौन है जो पाप भी क्षमा करता है? उस ने स्त्री से कहा, तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया है।

शांति से जाओ। यीशु ने जॉन बैपटिस्ट के शिष्यों की यात्रा के बाद फरीसियों और वकीलों को निशाना बनाया। लेकिन यह वृत्तांत जो मैंने अभी पढ़ा है, हमें एक और परिदृश्य से परिचित कराता है।

इस विशेष अंश से कुछ बातें उभर कर आती हैं जिन्हें मैं उजागर करना चाहूँगा। कृपया सामान्य तस्वीर को नज़रअंदाज़ न करें। यह एक फरीसी था जिसने यीशु को अपने घर आमंत्रित किया था।

एक फरीसी ने पार्टी का आयोजन किया था। यह यीशु और उनके शिष्यों की फरीसियों के साथ एक पार्टी थी। इसलिए, इसे अपने दिमाग में हमेशा बनाए रखें।

लेकिन फिर अचानक कुछ व्यवधान आता है। जब पार्टी चल रही थी, तो आप एक परिदृश्य की कल्पना कर सकते हैं। जरा सोचिए कि आप अमेरिका में हैं। गर्मियों में बारबेक्यू की स्थिति के बारे में सोचें।

या अगर आप टेक्सास में रहते हैं, तो बारबेक्यू के बारे में सामान्य रूप से सोचें। ऐसा लगता था कि यह कुछ ऐसा था जो बाहर या अंदर भी चल रहा था। किसी तरह, एक महिला घुसने और वहाँ पहुँचने में सफल रही।

और फिर, किसी तरह, यह महिला जो अंदर आई, उसने पूरी कहानी को हाईजैक कर लिया। और लूका कहता है कि आपको इस महिला के बारे में और जानना चाहिए। और मैं भी यही चाहता हूँ। तो यह महिला कौन है? इससे पहले कि मैं इस विशेष महिला के बारे में विस्तार से बताऊँ, मैं आपका ध्यान कुछ बातों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि अन्य सुसमाचार इस महिला को कैसे प्रस्तुत करते हैं।

अन्य सुसमाचार, दो अन्य समकालिक सुसमाचार, अर्थात् मत्ती और मरकुस, लूका द्वारा कही गई बातों से बहुत कुछ समान हैं, सिवाय उन क्षेत्रों के जिन्हें मैं इंगित करूँगा। वे इस विवरण को उचित रूप से एक ऐसे क्षेत्र में रखते हैं जो उचित रूप से उसी भौगोलिक क्षेत्र में है। लेकिन यूहन्ना हमें कुछ अलग बताता है।

जॉन एक महिला के बारे में बात करता है, और वह इस महिला को एक अलग संदर्भ में रखता है। जॉन एक ऐसी ही घटना के बारे में भी बात करता है, बेथनी में हुई एक घटना के बारे में बात करता है, और इस महिला की पहचान मैरी से करता है। और यह मैरी है, जिसका भाई लाज़र है।

लाज़रस की बहनें मरियम और मार्था यीशु की अच्छी दोस्त हैं। यूहन्ना ने इस वृत्तांत को थोड़ा अलग ढंग से बताया है। इसलिए, विद्वानों ने सवाल उठाया है कि क्या ये दो अलग-अलग वृत्तांत हैं या एक ही हैं? इसलिए, मुझे कहना चाहिए, जैसा कि मैं यह समझता हूँ कि क्या ये दो अलग-अलग वृत्तांत हैं या एक ही हैं, मैं आपको कुछ ऐसी बातें याद दिलाना चाहता हूँ जो मेरे सहकर्मी टिप्पणियों और लेखों में करते हैं कि अगर आप विद्वान नहीं हैं, तो आपको कहीं न कहीं निराशा हुई होगी।

जैसे ही हम इस विशेष परिस्थिति में पहुँचते हैं, हम महिला की कहानी को आगे बढ़ने देते हैं। टिप्पणीकार और अन्य विद्वान इस अंश के बारे में इस तरह बात करना चाहेंगे जैसे कि यह सब महिलाओं के बारे में हो। मैं महिला के बारे में बात करने जा रहा हूँ।

लेकिन मैं यह भी चाहता हूँ कि आप यह याद रखें कि यह एक फरीसी का एक फरीसी के घर में एक शानदार भोजन के लिए निमंत्रण है। दूसरे शब्दों में, यीशु एक फरीसी के निमंत्रण को स्वीकार करता है और फरीसियों के साथ भोजन करने जाता है। यही वह संदर्भ है जिसमें ये बातें सामने आ रही हैं।

ऐसा कहने के बाद, आइए कुछ तुलनाएँ करना शुरू करें कि दूसरे सुसमाचार लेखक लूका की तुलना में महिला के साथ हुई घटना को कैसे याद करते हैं। जब मैं लूका की विशेषताओं पर

प्रकाश डालना शुरू करता हूँ, तो आप समझने लगते हैं कि लूका में क्या चल रहा है। तो, आइए ऐसा करने की कोशिश करें।

सबसे पहले, यदि आप मैथ्यू में महिला के साथ इस विषय के समानांतर विवरण की तलाश कर रहे हैं, तो यह अध्याय 26 में पद 16, पद 6 से 13 में है, जो मैथ्यू के लेखन में सबसे अंत में है। मार्क में, यह अध्याय 14 में पद 9 और 3 से 9 तक है। जॉन को अध्याय 12, पद 1 से 8 में लाजर के साथ घटना के ठीक बाद पाया गया था। दूसरी बात जो आप मैथ्यू और मार्क में देखते हैं, ये दोनों सुसमाचार लेखक मेजबान की पहचान साइमन के रूप में करने में ल्यूक से सहमत होंगे। इसलिए, तीनों समकालिक सुसमाचारों में मेजबान को साइमन कहा जाता है।

हालाँकि, जब आप मत्ती और मरकुस के वृत्तांत को देखेंगे तो एक बड़ा अंतर यह होगा कि वे शमौन को फरीसी नहीं बल्कि एक कोढ़ी के रूप में पहचानते हैं। इसलिए, इस मामले में, आप मत्ती और मरकुस में शमौन को कोढ़ी पाते हैं, जबकि लूका में, शमौन, जिसका नाम इस वृत्तांत में है, एक फरीसी है। फरीसियों और वकीलों के साथ यीशु की बातचीत के बारे में लूका के प्रवचन के तुरंत बाद, जॉन बैपटिस्ट के शिष्य उसके संपर्क में आए।

यूहन्ना में हम पाते हैं कि यूहन्ना लूका से सहमत है कि स्त्री ने यीशु के पैरों का अभिषेक किया था। यूहन्ना मत्ती और मरकुस से भी सहमत है कि यह घटना यहूदिया के बेथानी में घटी थी। लेकिन लूका में, यह घटना उत्तर में गलील में घटित हो रही है।

तो आप शायद आश्चर्य करने लगें कि विद्वान क्यों सोचते हैं कि दो अलग-अलग विवरण हो सकते हैं और कुछ गलत जगह के पात्र या एक जैसे पात्र या एक ही नाम के अलग-अलग पात्र हो सकते हैं। माफ़ कीजिए, साइमन। मैथ्यू और मार्क में, हम लूका के साथ इस बात पर सहमति पाते हैं कि महिला का नाम नहीं दिया गया है। लेकिन जॉन के लिए, नहीं, महिला का नाम दिया जाना चाहिए, और यह महिला मरियम है।

तो, बस इस त्वरित तुलना से आपका ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित होना चाहिए कि यद्यपि कुछ विवरण समान दिखते हैं, फिर भी चार सुसमाचारों में इस विशेष परिच्छेद को देखने के तरीके में कुछ अंतर हैं। यूहन्ना का, विशेष रूप से, बहुत ही रोचक है, जिस तरह से मरियम यहाँ मुख्य पात्र बन जाती है। लूका के विरुद्ध अन्य तीन सुसमाचारों का भौगोलिक स्थान भी यह पता लगाने में महत्वपूर्ण है कि लूका यहाँ गलील में उत्तर में यीशु की सेवकाई के बारे में बात कर रहा है और जहाँ उसका सामना फरीसियों और वकीलों से होता है।

और इसलिए, वह उत्तर में एक फरीसी के घर जा रहा है जहाँ ये सब हो रहा है। जबकि अन्य लोगों ने कहा, नहीं, नहीं, नहीं, यह बेथानी में यरूशलेम के करीब है। लेकिन लूका क्या कर रहा है, इस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, आइए इस विशेष विवरण में लूका की अनूठी विशेषताओं को देखना शुरू करें ताकि यह समझने की कोशिश की जा सके कि वह हमें इस विशेष महिला के बारे में क्या बताना चाहता है।

लूका अध्याय 7, आयत 36 से 50 में, वह हमें इस महिला के बारे में और अधिक बताता है, लेकिन वह किसी भी तरह से यह नहीं कहता है कि वह महिला मरियम थी। यह नंबर एक है। नंबर दो, वह किसी भी तरह से यह नहीं कहता है कि वह महिला वेश्या थी।

यह एक प्रारंभिक चर्च चरित्र चित्रण है जिसने पोप ग्रेगरी I को परेशानी में डाल दिया था। कैथोलिक चर्च ने बाद में माफ़ी मांगी कि पापी महिला एक वेश्या थी जब उन्होंने वेश्यावृत्ति से संक्रमण करने वाली महिलाओं के लिए एक घर का नाम आधे रास्ते का घर रखा और फिर उस जगह को मैगडाला का घर कहा। और यह महिला मैरी मैगडलीन और मैरी मैगडलीन किसी तरह की वेश्या थी और यह सब, नहीं। ल्यूक हमें बस यह बताता है कि यह एक पापी महिला है।

चारों सुसमाचारों में से किसी भी चित्र में, चाहे वह एक ही विवरण हो या वे अलग-अलग विवरण हों, क्या उनमें से किसी ने भी इसे वेश्या के रूप में चित्रित किया है? वह एक पापी महिला थी, लेकिन उसके पाप जनता को इतने ज्ञात थे कि फरीसी उन पर हमला कर सकते थे। जब तक आप एक फरीसी और पेशेवर दोष खोजने वाले नहीं थे, आपने लोगों की धर्मनिष्ठता की जाँच करने में बहुत समय बिताया, और आप इसे पहचानने में सक्षम थे। ऐसा कहने के बाद, आइए ल्यूक के चरित्र चित्रण की विशिष्टता के बारे में अवलोकन करना शुरू करें।

सबसे पहले, लूका ही एकमात्र सुसमाचार है जो मेज़बान को फरीसी के रूप में वर्णित करता है, और फिर बाद में वर्णन में, वह उसका नाम साइमन रखता है। वह जल्दी इसलिए था क्योंकि लूका हमें इस विशेष घटना में एक फरीसी का चरित्र दिखाना चाहता था। याद रखें, उसने उनकी आलोचना की थी।

यीशु ने कुछ ही आयतों पहले उनकी और वकीलों की आलोचना की थी। इस विशेष पेरिकोप में, लूका ने इस व्यक्ति को चार बार फरीसी के रूप में संदर्भित करते हुए कहा, आपको यह जानना चाहिए कि हम एक फरीसी के साथ व्यवहार कर रहे हैं, और यह अंतर एक पापी महिला से कहीं अधिक दूर नहीं हो सकता। दूसरा, लूका ने महिला को एक पापी के रूप में पहचाना, न कि एक वेश्या के रूप में, लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा था, हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि वह समाज में इतनी जानी जाती थी कि उसे इस तरह से चित्रित किया जा सकता था।

तीसरा, लूका स्त्री के आँसुओं के बारे में बात करता है। लूका में स्त्री रोती है। अन्यत्र, यह वह चित्रण नहीं है जो अन्य सुसमाचार इस स्त्री के बारे में देते हैं।

वह यीशु के पैर धोने के लिए पानी की जगह अपने आँसुओं का इस्तेमाल करती है। अब अगर मैं यहाँ कुछ बातें समझाने की कोशिश करने के लिए एक मिनट रुकूँ, तो कृपया यह सोचकर भ्रमित न हों कि यह एक प्रथा थी, कि लोग कभी-कभी रोते थे और अपने आँसुओं का इस्तेमाल किसी के पैर पोंछने के लिए करते थे। नहीं, आम तौर पर, यह पानी था जो घर आने वाले अजनबी को पैर धोने के लिए दिया जाता था।

ऐसी दुनिया में जहाँ धूल भरी सड़कें हैं, और आप पैदल चलते हैं, और आपके पास बेहतरीन चप्पल नहीं हैं, अमेरिका के बारे में मत सोचिए या आप जो भी हैं, शहरों में मिलने वाली शानदार चीज़ों के बारे में मत सोचिए, पहली सदी के गलील के बारे में सोचिए। महिला आँसुओं से नहाती

है, और हम देखते हैं कि वह लूका में पैर सुखाता है। लूका के लिए, यह केवल धोना ही नहीं बल्कि पैर सुखाना भी है।

और फिर ल्यूक कुछ कहता है। ल्यूक ने कहा कि वह पैर चूमती है, कुछ ऐसा जिसके बारे में अन्य सुसमाचार लेखक बात नहीं करते। मुझे अपने छात्रों से पूछना अच्छा लगता है, खासकर गॉर्डन कॉलेज के छात्रों से, जिनके साथ मुझे मज़ा आता है, और मैं हमेशा कक्षा में उन्हें चिढ़ाता हूँ।

मान लीजिए कि वे मेरे घर बारबेक्यू के लिए आए हैं, एक अजनबी, एक महिला जो हमारे पड़ोस में बहुत अच्छी प्रतिष्ठा वाली नहीं है, दिखाई दी। और वे आश्चर्य करने लगे कि यह महिला हमारी पार्टी में क्या कर रही है। ये गॉर्डन कॉलेज के लोग हैं जो इधर-उधर घूम रहे हैं और बारबेक्यू का आनंद ले रहे हैं।

वह यहाँ क्या कर रही है? और मान लीजिए कि वे इस महिला को कुछ अजीब हरकतें करते हुए पाते हैं। जब वह रोने लगती है, तो उसके गालों से आँसू बहने लगते हैं।

और वह अपने आंसुओं से मेरे पैर पोंछ रही है। और वह अपने बालों से चीजों को झाड़ने की कोशिश कर रही है। ओह, एक क्लास में, एक महिला ने कहा, यह रोमांटिक और संदिग्ध है।

और मैंने कहा, हाँ, मुझे पता है कि आप इस बारे में क्या कहना चाह रहे हैं। आप देखिए, यह फरीसियों और फरीसियों की एक सभा के संदर्भ में यीशु के साथ किया जा रहा था। फरीसियों की निंदा करने के लिए इतने आत्म-धर्मी बनने से पहले, अपने आप से पूछें कि जब हम ल्यूक के चित्र की विशिष्टता को देखते हैं तो आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी।

क्योंकि लूका आपको यह बताने में जल्दी करता है कि यीशु पापियों और बहिष्कृत लोगों के लिए आया था। कभी-कभी, उनके व्यवहार सबसे अच्छे नहीं हो सकते हैं। कभी-कभी, उनकी संवेदनशीलता सबसे अच्छी नहीं हो सकती है।

लेकिन यीशु उनके लिए और साथ ही अमीर और प्रतिष्ठित लोगों के लिए आया था। यह महिला कुछ ऐसा कर रही थी जिसके बारे में आपको और मुझे, किसी भी परिस्थिति में, कहना चाहिए, क्या? यीशु को ऐसा क्यों करना चाहिए? इसलिए कृपया साइमन को जल्दी से जज न करें। जब उसने सवाल पूछा, तो मुझे लगा कि यह आदमी एक भविष्यवक्ता है।

और अगर वह वास्तव में एक सच्चा भविष्यवक्ता था, तो उसे पता होना चाहिए था कि यह महिला कौन है, जो यहाँ ये सभी रोमांटिक इशारे कर रही है। लूका हमें यहाँ कुछ बारीक अंतर दिखाते हुए आगे बढ़ता है। उसने कहा, महिला ने अपने आँसुओं का इस्तेमाल किया, धोया और पोंछा, और फिर भी उसके पैरों का अभिषेक किया।

वह न केवल पैरों का अभिषेक करती है, बल्कि वह पैरों का अभिषेक संगमरमर के बर्तन में रखे तेल से करता है। यह बर्तन कीमती और नाजुक है। कीमती तेल और कीमती इत्र यीशु को दिया जाता है।

अरे हाँ। अगर यह अमेरिका है, तो मुझे पता है कि आप क्या सोच रहे होंगे। यह इतना रोमांटिक है कि यीशु इसे स्वीकार नहीं कर सकते।

ओह हाँ। इसलिए जब शमौन ने सवाल पूछा, तो यीशु ने उससे पूछा कि अगर दो लोगों की स्थिति हो तो क्या होगा। एक पर बहुत ज़्यादा कर्ज है और दूसरे पर बहुत कम।

और जिस पर दोनों का कर्ज था, वह क्षमा कर देता है। यीशु ने शमौन से पूछा, शमौन, तुम्हें क्या लगता है कि कर्ज की माफी के लिए कौन अधिक आभारी होगा? खैर, यीशु ने शमौन को सहमत कर लिया।

और यीशु ने शमौन से अपने शब्दों में यह कहलवाया। यह उस स्त्री के लिए जो कुछ कर रही थी, उसके लिए एक अच्छा कारण था। बेशक, उसे बहुत कुछ माफ़ किया गया है।

लूका द्वारा दिए गए दृष्टांत में यह बात निहित है जो किसी अन्य सुसमाचार में नहीं है। यह भी संभव है कि महिला को पहले ही कहीं और क्षमा कर दिया गया हो। महिला ने यीशु को देखा और कृतज्ञता का चरम भाव दिखाने के लिए यहाँ आई थी।

हम निश्चित रूप से नहीं जानते कि क्या यही हो रहा है। लेकिन दृष्टांत में यह कहा गया है कि जिस फरीसी ने यीशु का सामना किया और उसके जीवन में कुछ बदलाव देखे, उसने उसे अपने घर आमंत्रित किया। खैर, अगर ऐसा है, तो शायद इन दो दृष्टांतों में पात्र एक महिला है जो एक पापी थी और जिसे जनता जानती थी और जिसे क्षमा कर दिया गया था।

और एक फरीसी जिसे माफ़ कर दिया गया था। और दोनों एक साथ हैं। और यीशु ने शमौन से पूछा, शमौन, किसे इतना उत्साहित होना चाहिए कि उन्हें इतना माफ़ कर दिया गया है? जब वह शमौन को सहमत कर लेता है, तो वह महिला की ओर इशारा करके कह सकता है, अरे, मेरे दोस्त, तुम देखो।

अब, समझिए कि इस महिला के साथ क्या हो रहा है। ल्यूक ही वह व्यक्ति है जिसने प्रेम शब्द का इस्तेमाल यह समझाने के लिए किया कि जिन्हें बहुत प्यार दिया गया है, उन्हें बहुत प्यार मिलता है। कृपया यहाँ रोमांटिक विचार न पाएँ।

यह एक गंभीर मामला है। लूका आगे कहता है कि यीशु इस महिला से कहेगा कि उसे माफ़ कर दिया गया है। और जैसे ही उसने कहा कि उसे माफ़ कर दिया गया है, पूरी मंडली बहुत क्रोधित हो गई।

क्योंकि यीशु ने कहा, स्त्री को क्षमा कर दिया गया है। इस बात ने फरीसी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है। कोरस की कल्पना कीजिए।

यीशु ने कहा कि महिला को माफ़ कर दिया गया है। और हमें परीक्षण में बताया गया है। जो लोग मौजूद हैं, दूसरे फरीसी, कौन जानता है कि कौन अभी भी क्या चबा रहा है? बारबेक्यू पार्टी में।

हमने अभी क्या सुना? प्रतिक्रिया की कल्पना करें। क्या वह कहता है कि उसने उस महिला को भी माफ़ कर दिया है? माफ़ करने का अधिकार किसे है? वे फरीसी हैं। वे जानते हैं कि ऐसा सिर्फ़ परमेश्वर ही करता है।

यीशु को अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग फरीसियों से इसी कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। वह पापों को क्षमा करता है। और मुझे लगता है कि ऐसा करने की शक्ति केवल ईश्वर के पास ही होनी चाहिए।

लेकिन यहाँ, लूका ने कहा, हाँ। उसने यह भी कहा, यीशु ने फरीसियों के सामने भी कहा कि स्त्री को क्षमा कर दिया गया है। लूका ही वह व्यक्ति है जिसने क्षमा पर आपत्ति के बारे में बात की।

और विदाई, जिसमें यीशु महिला से शांति से जाने के लिए कहता है। लूका की विशिष्टताओं के संदर्भ में मैंने 12 अवलोकन किए हैं। यही कारण है कि कुछ विद्वानों ने तर्क दिया है कि शायद लूका का विवरण अलग है।

लेकिन इससे पहले कि हम इस बारे में सोचें और चिंतन करें कि लूका यहाँ क्या कर रहा है। मैं आपके दिमाग को ताज़ा करना चाहूँगा कि लूका यहाँ क्या कर रहा है। लूका अध्याय 4 में घोषणापत्र में, उसने यह भी कहा कि जब परमेश्वर की आत्मा उस पर आई।

और उसे सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषिक्त किया। उसने उसे गरीबों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषिक्त किया। यीशु बहिष्कृत लोगों के लिए आया है।

और लूका हमें याद दिलाना चाहता है कि जो लोग हाशिये पर हैं, वे हाशिये पर रहने वाले लोग हैं, वे लोग जिन्हें लोग घृणा करते हैं। कभी-कभी, उनके शिष्टाचार भी मायने नहीं रखते। यीशु उनके लिए आए।

लूका हमें याद दिलाएगा कि जिन्होंने बहुत पाप किए हैं। वे अभी भी यीशु का ध्यान आकर्षित करेंगे, और यीशु उन्हें क्षमा करेंगे। थियोफिलस से बात करना लूका की टीम का काम है।

वह थियोफिलस, हाँ, थियोफिलस ने कहा। यीशु सबसे ऊँचे लोगों के लिए आया था। लेकिन वह सबसे निचले लोगों के लिए भी आया था।

और वह बीच में सभी के लिए आया था। बारीक विवरण एक फरीसी के घर में एक पापी महिला के आभार के भाव की अजीबता को दर्शाते हैं। तो, मैं आपका ध्यान इस महिला के हाव-भाव के बारे में कुछ मुख्य बातों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

मैं उनके हाव-भाव में जिन पाँच बातों की ओर ध्यान दिला रहा हूँ, वे ही बातें मुझे सबसे ज़्यादा प्रभावित करती हैं। उन्होंने सिर पर नहीं, बल्कि पैरों पर तेल लगाया। उन्होंने अपने आँसुओं से पैरों को धोया।

उसने पैरों को तौलिए से नहीं, बल्कि अपने बालों से पोंछा। उसने स्नेह की अभिव्यक्ति के रूप में पैरों को चूमा। क्या आप समझते हैं कि जब यह सब हो रहा था, तो साइमन की प्रतिक्रिया वही थी जो आदर्श व्यक्ति की होनी चाहिए? उसे शर्मिंदगी महसूस हुई कि एक फरीसी के रूप में, उसने इतने सारे फरीसी लाए।

वे धार्मिक लोग माने जाते हैं। उन्हें सड़क पर घूमना पसंद है। यीशु ने उन दिनों के बारे में भी बताया है जब वे उपवास करते हैं।

वे सप्ताह में दो बार उपवास करते हैं। जिस दिन वे उपवास करते हैं, उस दिन छोटे लोग जानते हैं कि वे उपवास कर रहे हैं। वे पवित्र और धार्मिक हैं, जैसा कि हम अपने गाँव में कहा करते थे; वे पवित्रता में विश्वास करते हैं।

और अब उनके सामने, ऐसा लगता है मानो शमौन के निमंत्रण ने सबसे बुरे पापी को यीशु के सामने आने के लिए आकर्षित किया। कृपया, मुझे नहीं पता कि इस विशेष व्याख्यान में अब तक मैं यीशु मसीह के हृदय के बारे में आप तक पहुँच पाया हूँ या नहीं। जिसे लूका आपको बताना चाहता है।

वह इसलिए आया कि पापियों को क्षमा किया जा सके। वह इसलिए आया कि जो लोग दोषी हैं, उन्हें प्रेम महसूस हो। वह इसलिए आया कि जो लोग अस्वीकार किए गए हैं, उन्हें स्वीकारा और शामिल महसूस हो।

जब हम लूका में घटित होने वाली घटनाओं के बारे में बात करते हैं, तो हम पाते हैं कि अन्य सुसमाचार लेखकों ने इस विवरण को जिस तरह से प्रस्तुत किया है, उसमें महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। क्योंकि लूका उस बिंदु को स्पष्ट करना चाहता है। फरीसियों की संगति में, यीशु ने एक पापी महिला के हाव-भाव को स्वीकार किया।

लूका में फरीसी का चित्रण स्पष्ट रूप से कुछ अतिशयोक्ति दर्शाता है। लूका ने चार बार उसका उल्लेख किया है, जो स्पष्ट रूप से महिला और फरीसी के बीच अंतर को दर्शाने की कोशिश कर रहा है। कुछ लोग सोचते हैं कि लूका 2 राजाओं में कुछ वृत्तांतों को फिर से प्रस्तुत कर रहा है।

लेकिन मुझे लगता है कि जो कुछ हो रहा है, वह संभवतः अन्य सुसमाचार लेखकों द्वारा बताए गए विवरणों से दो अलग-अलग विवरण हैं। वह स्त्री जो पापी थी। वह स्त्री जो पापी थी।

वह स्त्री जो पापी थी, उसने यीशु का इतना आतिथ्य किया कि मेजबान, फरीसी, इतना आतिथ्य नहीं दिखा सका। वह स्त्री जो पापी थी, उसने यीशु का सबसे महंगा इत्र से अभिषेक किया।

शायद उसने अपने पापपूर्ण साधनों से भी इसे प्राप्त किया हो, हम नहीं जानते। हाँ, यह एक ऐसी महिला के साथ व्यवहार करने में है जिसे एक पापी महिला के रूप में जाना जाता है, एक फरीसी के पास यीशु की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की हिम्मत होगी, चाहे उसके पास भविष्यसूचक समझ हो या न हो। यीशु शमौन को यह बताना चाहता था।

उसने आतिथ्य नहीं किया, लेकिन पापी महिला ने अपेक्षा से बढ़कर आतिथ्य दिखाया। इसलिए क्षमा उसका भाग बन जाती है। मामले का सार यही है, और मैं पापी महिला के साथ इस बातचीत को समाप्त करना चाहता हूँ।

इस मामले का सार यह है। एक: यीशु ने फरीसियों और वकीलों की गलत आशा के लिए निंदा करने के तुरंत बाद ही तैयारी कर ली थी।

वह फरीसियों के निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए तैयार था कि वह उसके घर जाए और उनके साथ भोजन करे। यदि आप एक ईसाई नेता हैं और आप इस व्याख्यान श्रृंखला में मुझे सुन रहे हैं, तो कृपया इस पर ध्यान दें। यीशु ने एक तरफ फरीसियों की निंदा की, लेकिन उन्होंने यह कहने के लिए पूरी निंदा नहीं की कि इसके कारण, मैं किसी भी फरीसी से व्यवहार नहीं करूंगा।

जब एक फरीसी ने, जिसे क्षमा कर दिया गया था, उसे अपने घर आमंत्रित किया, भले ही वह व्यक्तिगत और अंतरंग था, उसने निमंत्रण स्वीकार किया और फरीसी के घर गया। हाँ, यीशु धर्मयुद्ध के मैदान से एक फरीसी के घर तक साथ-साथ चल सकते थे और शायद अन्य फरीसी के साथ बारबेक्यू पार्टी कर सकते थे। दूसरा, शमौन फरीसी धर्मनिष्ठता से इतना ग्रस्त था।

यदि आप इस विशेष प्रवचन में उसकी भाषा पर ध्यान दें और उसका अवलोकन करें, तो वह इस बात पर प्रकाश डालना चाहता था कि वह स्त्री एक पापी स्त्री है। और वह इस बात से परेशान था कि यीशु इस स्त्री के बारे में यह भी नहीं देख पाया। बेशक, एक फरीसी के रूप में, वह दोष खोजने वाला बनना पसंद करता है।

साइमन ने यह भी अनुमान लगाया कि ल्यूक के व्यापक आख्यान में, जो यीशु को एक भविष्यवक्ता यीशु के रूप में चित्रित करता है, साइमन, ल्यूक हमें यहाँ कुछ बताने की कोशिश कर रहा है। कि जब जॉन बैपटिस्ट आया और अपने शिष्यों को यीशु के लिए पूछने के लिए भेजा, तो वे एक संदेश के साथ वापस गए जो भविष्यवाणी मंत्रालय का सुझाव देता था। लेकिन चमत्कार और उपचार केवल वही हैं जो वचन की घोषणा के साथ हो रहे हैं।

इस मामले में, लूका अभी भी भविष्यवक्ता यीशु के विषय का अनुसरण कर रहा है, लेकिन उसने हमें यह भी बताने की कोशिश की कि, ओह, आदर्श रूप से, या शायद, साइमन ने अनुमान लगाया कि यीशु एक भविष्यवक्ता होना चाहिए। लेकिन उसने सवाल करना शुरू कर दिया कि क्या वह एक सच्चा भविष्यवक्ता था और वहाँ क्या स्पष्ट है जिसे जाना जाना चाहिए। इसमें यह निहित है।

शमौन ने अनुमान लगाया था कि वह एक भविष्यवक्ता, भविष्यवक्ता यीशु के साथ व्यवहार कर रहा था। हालाँकि, भविष्यवक्ता यीशु के पास उसके दृष्टिकोण में कोई अच्छी समझ नहीं थी। उसे एहसास होगा कि भविष्यवक्ता यीशु जानता है कि वह क्या कर रहा है।

हम यहाँ दृष्टांत में पाते हैं कि यीशु यह दिखाएगा कि जिन लोगों को बहुत क्षमा किया गया है, वे उच्चतम सीमा तक उस प्रशंसा को दिखाएंगे, और यही वह स्त्री कर रही है। जब वे पूछते हैं कि क्या यीशु पाप को क्षमा कर सकता है, जैसा कि मैंने पहले कहा था, हाँ, यीशु पाप को क्षमा कर

सकता है। इसलिए मैं इस सत्र का समापन लूका के अपने शब्दों में श्लोक 37 से 50 तक करता हूँ जब वह लिखता है। इसलिए, मैं तुमसे कहता हूँ, वह स्त्री जो पापी है, उसके पाप, जो बहुत हैं, क्षमा किए गए हैं।

क्योंकि वह बहुत प्रेम करती थी, पर जिसका थोड़ा क्षमा हुआ है, वह थोड़ा प्रेम करता है। तब उस ने उस से कहा, तेरे पाप क्षमा हुए। तब जो लोग उसके साथ भोजन कर रहे थे, अर्थात् फरीसी, आपस में कहने लगे, यह कौन है जो पाप भी क्षमा करता है? उस ने स्त्री से कहा, तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया है।

शांति से जाओ। दोस्तों, अगर आप इस व्याख्यान श्रृंखला में मेरा अनुसरण कर रहे हैं, तो आप जानते हैं कि मैं तब तक नहीं रुकूंगा जब तक मैं आपको आपके जीवन के बारे में याद नहीं दिला देता। मैं नहीं जानता कि मसीह के साथ अपने चलने में आप कहाँ हैं, एक ईसाई के रूप में या ईसाई धर्म के बारे में अधिक जानने की कोशिश करने वाले साधक के रूप में।

आप फरीसियों की तरह आत्म-धर्मी हो सकते हैं। आप फरीसियों की तरह दोष खोजने वाले हो सकते हैं। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप यीशु की सेवकाई के साथ आने वाले अनुग्रह को समझें।

इस बात पर सवाल मत उठाइए कि वह पापियों से क्यों प्यार करता है। लूका हमें बार-बार बताएगा। वह आया।

वह सभी लोगों के लिए आया था। लेकिन हो सकता है कि आप पाप में फंसे हों। और आप सार्वजनिक छवि में एक भयानक व्यक्ति के रूप में जाने जाते हों।

मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि यीशु ने इस महिला को उसके पापों के लिए क्षमा कर दिया। उसने उसके जीवन में शांति की घोषणा की। यदि आप उसके पास आएँगे तो वह हमेशा क्षमा करने को तैयार है।

वह आपसे बहुत कुछ नहीं माँगता। वह बस यही चाहता है कि आप उसके पास आएँ और उससे माफ़ी माँगें। लेकिन याद रखें कि ऐसा करते समय, इस अंश से हम एक और सिद्धांत सीखते हैं।

ऐसे लोग हैं जो आपके अतीत के आधार पर आपका मूल्यांकन करेंगे। हो सकता है कि वे आपके साथ अच्छा व्यवहार न करें। लेकिन अच्छी खबर यह है कि यीशु आपके दिल को जानता है।

वह जानता है कि आपको क्या प्रेरित करता है। पापी महिला वेश्या नहीं थी। पापी महिला मैरी मैग्डलीन नहीं थी।

वह अनाम थी। और यह तथ्य कि वह अनाम थी, इसका मतलब है कि वह आप हो सकती हैं। वह मैं भी हो सकती हूँ।

यीशु मसीह उपलब्ध हैं और तैयार हैं, अगर हम में से कोई भी उनके पास आने के लिए बुलाए जाने पर ध्यान देगा। उनके पास क्षमा करने और प्यार करने के लिए एक बड़ा दिल है। हमारे साथ इस श्रृंखला का अनुसरण करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

और मुझे उम्मीद है कि यीशु और पापी महिला के साथ इस विशेष सत्र के दौरान, आपके मन में कुछ बातें स्पष्ट हो जाएँगी। यही कारण है कि वह आया। वह आपके लिए आया, मेरा मतलब है आप और मैं।

यह डॉ. डैन डार्को द्वारा लूका के सुसमाचार पर दिया गया उपदेश है। यह सत्र 10 है, यीशु और पापी स्त्री, लूका 7:36-50।